

Dr. Kumari Priyanka

History department

Topic :-तुगलक वंश के उत्थान के कारण

तुगलक वंश (1320-1414 ई.) का उत्थान दिल्ली सल्तनत के भीतर कई महत्वपूर्ण कारणों के परिणामस्वरूप हुआ। गयासुद्दीन तुगलक ने 1320 ई. में खिलजी वंश को हटाकर इस वंश की स्थापना की। उसके शासन और बाद में मुहम्मद बिन तुगलक एवं फिरोजशाह तुगलक के शासनकाल में यह वंश शक्तिशाली बना। तुगलक वंश के उत्थान के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:

### 1. खिलजी वंश की कमजोरियाँ

- खिलजी वंश के अंतिम शासक **खुसरो खान** कमजोर और अलोकप्रिय था, जिससे शासन अस्थिर हो गया।
- अमीरों, उमराओं और सेना में असंतोष था, जिसने गयासुद्दीन तुगलक को सत्ता हासिल करने का अवसर दिया।

### 2. गयासुद्दीन तुगलक की सैन्य कुशलता

- गयासुद्दीन तुगलक एक सक्षम सैन्य नेता था और उसकी सेना संगठित और अनुशासित थी।
- उसने आंतरिक विद्रोहों को दबाया और बाहरी आक्रमणों से सल्तनत की रक्षा की।

### 3. प्रशासनिक सुधार

- गयासुद्दीन तुगलक ने प्रशासन को मजबूत किया और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया।
- उसने जागीरदारी व्यवस्था को नियंत्रित किया और कर प्रणाली को व्यवस्थित किया।

### 4. आर्थिक मजबूती

- तुगलक शासकों ने राजस्व व्यवस्था को सुधारने पर ध्यान दिया, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई।

- कृषि, व्यापार और शिल्प को प्रोत्साहन दिया गया, जिससे आर्थिक समृद्धि आई।

## 5. धार्मिक सहिष्णुता

- गयासुद्दीन तुगलक ने धार्मिक सहिष्णुता की नीति अपनाई, जिससे हिंदू और मुस्लिम प्रजा में विश्वास पैदा हुआ।
- स्थानीय शासकों और जनजातियों के साथ मेल-जोल बढ़ाया गया।

## 6. बाहरी आक्रमणों से रक्षा

- मंगोल आक्रमणों के खिलाफ प्रभावी सैन्य कार्रवाई की गई, जिससे सल्तनत की स्थिरता बनी रही।
- गयासुद्दीन तुगलक ने सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए किलों का निर्माण करवाया।

## निष्कर्ष

तुगलक वंश का उत्थान खिलजी वंश की कमजोरियों, गयासुद्दीन तुगलक की सैन्य एवं प्रशासनिक दक्षता, आर्थिक सुधारों और बाहरी आक्रमणों से रक्षा के कारण संभव हुआ। हालाँकि, यह वंश अपने उत्तराधिकारियों की नीतिगत असफलताओं और प्रशासनिक कमजोरियों के कारण बाद में कमजोर हो गया।